हिन्दी

(वसंत)(पाठ 4)(भगवतीप्रसाद वाजपेयी– मिठाईवाला)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

कहानी से

प्रश्न 1:

मिठाईवाला अलग–अलग चीजें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था ?

उत्तर 1:

मिठाईवाला अलग–अलग चीजें इसलिए बेचता था जिससे कि वह बच्चों को भी तरह की चीजें देकर लुभा सके वह कभी खिलौनेवाला बनकर आता तो कभी बॉसुरीवाला बनकर आता था तो कभी मिठाईवाला बनकर आता था और वच्चों की मधुर बोली का आनंद लेता था और उन्हें भी आनंदित करता था । वह महीनों बाद इसलिए आता था क्योंकि वह और जगहों पर भी घूमता था

प्रश्न 2:

मिठाईवाले में वे कौन से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे?

उत्तर 2:

मिठाईवाले की आवाज और उसका सामान बेचने का तरीका तथा लोगों में घुलमिलकर उनकी जरूरत के अनुसार उनसे बात करना और उन्हें सामान बेचना इन्हीं गुणें के कारण बच्चे तो बच्चे बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे।

प्रश्न 3:

विजय बाबू एक ग्राहक थे और मुरलीवाला एक विक्रेता। दोनों अपने–अपने पक्ष के समर्थन में क्या तर्क पेश करते हैं?

उत्तर 3:

विजय बाबू बोले तुम लोगों की झूठ बोलने की आदत होती है। देते होगे सभी को दो–दो पैसे में, पर एहसान का बोझ मेरे ही ऊपर लाद रहे हो। मुरलीवाला बोला आपको क्या पता बाबू जी कि इनकी असली लागत क्या है! यह तो ग्राहकों का दस्तूर होता है कि दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीज क्यों न बेचे, पर ग्राहक यही समझते हैं दुकानदार मुझे लूट रहा है। आप भला काहे को विश्वास करेंगे? लेकिन सच पूछिए तो बाबू जी, इसका असली दाम दो पैसा ही है।

प्रश्न 4:

खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी ?

उत्तर 4:

जब भी खिलौनेवाले की आवाज सुनाई देती बहलानेवाला, खिलौनेवाला। सुननेवाले एक बार अस्थिर हो उठते। उसके स्नेहाभिसिक्त कंठ से फूटा हुआ गान सुनकर निकट के मकानों में हलचल मच जाती। छोटे–छोटे बच्चों को अपनी गोद में लिए युवतियाँ चिकों को उठाकर छज्जों पर नीचे झाँकने लगतीं। गलियों और छोटे–छोटे उद्यानों में खेलते और इठलाते हुए बच्चों का झुंड उसे घेर लेता और तब वह खिलौनेवाला वहीं बैठकर खिलौने की पेटी खोल देता।

प्रश्न 5:

रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो आया?

उत्तर 5:

नगर की प्रत्येक गली में मुरलीवाले का मृदुल स्वर सुनाई पड़ता बच्चों को बहलानेवाला, मुरलीवाला।, रोहिणी ने भी मुरलीवाले का यह स्वर सुना। तुरंत ही उसे खिलौनेवाले का स्मरण हो आया। उसने मन–ही–मन कहा खिलौनेवाला भी इसी तरह गा–गाकर खिलौने बेचा करता था। इसीलिए मुरलीवाले की आवाज सुनकर उसे खिलौनेवाले का स्मरण हो आया ।

प्रश्न 6:

किसकी बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था ? उसने इन व्यवसायों को अपनाने का क्या कारण बताया?

उत्तर 6:

रोहिणी ने जब मिठाईवाले से पूछा कि कभी तुम खिलौनेवाले कभी मुरलीवाले और अब मिठाईववाले बनकर आए हो इस प्रकार व्यवसाय बदलकर तुम्हें क्या मिलता है तब मिठाईवाला भावुक होते हुए बोला कि कुछ नहीं खाने भर को मिल जाता है उसके साथ संतोष , धीरज और कभी–कभी असीम सुख मिल जाता है । मेरा भी भरा–पूरा संसार था पत्नी बच्चे थे मैं बहुत बड़ा आदमी था । मेरा सबकुछ मिट गया अब मैं अकेला हूँ और इन बच्चों में ही अपने बच्चों ढूढ़ता हूँ ।

प्रश्न 7:

'अब इस बार ये पैसे न लूँगा' कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों कहा ?

उत्तर 7:

मिठाईवाले ने कहा कि मैं इन बच्चों में अपने बच्चे देखता हूँ पैसों की कमी थोड़े ही है, आपकी दया से पैसे तो काफी हैं। जो नहीं है, इस तरह उसी को पा जाता हूँ।, रोहिणी ने अब मिठाईवाले की ओर देखा उसकी आँखें आँसुओं से तर हैं। उसने मिठाई की दो पुड़ियाँ, मिठाइयों से भरी, औरे चुन्नू–मून्नू को दे दीं। रोहिणी ने भीतर से पैसे फेंक दिए। मिठाईवाले ने पेटी उठाई और यह कहते हुए चला गया इस बार ये पैसे मैं नहीं लूँगा।

प्रश्न 8:

इस कहानी में रोहिणी चिक के पीछे से बात करती है। क्या आज भी औरतें चिक के पीछे से बात करती हैं? यदि करती हैं तो क्यों? आपकी राय में क्या यह सही है?

उत्तर 8:

इस कहानी में रोहिणी चिक के पीछे से इसलिए बात कर रहीं है क्योंकि उस जमाने में औरतें किसी बाहरी आदती से सामने आकर बातें नहीं करती थीं । आज भी बहुत से छोटे शहरों या गावों में औरतें किसी बाहरी आदमी के सामने नहीं आती हैं , लेकिन बदलते माहौल में आज औरतें किसी भी आदमी के सामने आकर उससे बातें करती हैं और उसकी बात सुनती हैं और अपनी बात रखती हैं । यह काफी हद तक सही भी है और सामाजिक व्यवस्था के अनुसार ज्यादा ठीक भी नहीं है।

कहानी से आगे

प्रश्न 1:

मिठाईवाले के परिवार के साथ क्या हुआ होगा? सोचिए और उस पर एक और कहानी बनाइए?

उत्तर 1:

मिठाईवाले का भरा–पूरा संसार उजड़ ग्या था वह भी अपने नगर का सम्पन्न व्यक्ति था पर समय के साथ उसका सब–कुछ छिन गया । इसके आगे बच्चे अपनी समझ के अनुसार खुद कहानी का निर्माण करेंगे ।

प्रश्न 2:

हाट–मेले, शादी आदि आयोजनों में कौन–कौन सी चीजें आपको सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं? उनको सजाने–बनाने में किसका हाथ होगा? उन चेहरों के बारे में लिखिए।

उत्तर 2:

बच्चे अपनी योग्यतानुसार उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 3:

इस कहानी में मिठाईवाला दूसरों को प्यार और खुशी देकर अपना दुख कम करता है? इस मिजाज की और कहानियाँ, कविताएँ ढूँढ़िए और पढ़िए।

उत्तर 3:

बच्चे लाइब्रेरी या नेट की मदद से कहानियॉ व कविताएं पढ़ेंगे।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1.

आपकी गलियों में कई अजनबी फेरीवाले आते होंगे। आप उनके बारे में क्या-क्या जानते हैं? अगली बार जब आपकी गली में कोई फेरीवाला आए तो उससे बातचीत कर जानने की कोशिश कीजिए।

उत्तर-

हमारे गली में मौसम के अनुसार कई फेरीवाले आते हैं। जैसे-मूंगफलीवाला, चाटवाला, फलवाला, सब्जीवाला, खिलौनेवाला, आइसक्रीमवाला, कपड़ेवाला आदि। वे सब बड़ी मीठी स्वर में पुकार-पुकार कर अपनी चीजें बेचते थे। ये लोग कम पैसे में पूँजी के आभाव में घूम-घूम कर चीजें बेचते हैं। अगर इनके पास पूँजी होती तो ये भी बड़े दुकानदार होते। चाट, आलू, टिक्की, फेरीवाले से बातचीत

बालक – ऐ चाटवाले भैया दस रुपये के कितने टिक्की दिए हैं ?
चाटवाला – पाँच के एक और दस रुपये के दो टिक्की।
बालक – दस रुपये के तीन आते हैं?
चाटवाला – मेरे आलू के टिक्की विशेष प्रकार के हैं। मैं तो दस रुपया का एक ही देता हूँ।
बालक – अच्छा बीस रुपये का आलू टिक्की दे दो।।

प्रश्न 2.

आपके माता-पिता के जमाने से लेकर अब तक फेरी की आवाज़ों में कैसा बदलाव आया है? बड़ों से पूछकर लिखिए।

उत्तर-
हमारे माता-पिता के जमाने में प्रत्येक वस्तुएँ फेरीवाला ही बेचने आया करता था। वह मधुर स्वर में गा-गाकर अपना सामान बेचा करते थे। फेरीवाला प्रायः सभी तरह की वस्तुएँ लाया करते थे। लेकिन आजकल फेरीवालों की संख्या में काफ़ी कमी आ गई है। लोग प्रायः ब्रांडेड सामान खरीदना पसंद करते हैं, अतः वे अधिकतर दुकान से सामान लेते हैं। फेरीवाले पहले की तरह मधुर स्वर में गाते हुए नहीं चलते हैं। अब उनके मीठे स्वर में कमी आ गयी है।

प्रश्न 3.
आपको क्या लगता है-वक्त के साथ फेरी के स्वर कम हुए हैं? कारण लिखिए।

उत्तर-
यह सही है कि वक्त के साथ फेरी के स्वर कम हुए हैं क्योंकि लोगों की रुचि फेरीवालों से सामान खरीदने में कम होती जा रही है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.
मिठाईवाला बोलनेवाली गुड़िया
ऊपर वाला' का प्रयोग है। अब बताइए कि
(क) 'वाला' से पहले आनेवाले शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि में से क्या हैं?
(ख) ऊपर लिखे वाक्यांशों में उनका क्या प्रयोग है?

उत्तर-
(क) 'मिठाईवाला' शब्द संज्ञा है तथा बोलना क्रिया।
(ख) मिठाईवाला शब्द विशेषण है जबकि बोलने वाली गुड़िया में गुड़िया संज्ञा है जबकि बोलने वाला शब्द विशेषण है जो गुड़िया की विशेषता बता रहा है।

प्रश्न 2.
"अच्छा मुझे ज़्यादा वक्त नहीं, जल्दी से दो ठो निकाल दो।"
• उपर्युक्त वाक्य में 'ठो' के प्रयोग की ओर ध्यान दीजिए। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की भाषाओं में इस शब्द का प्रयोग संख्यावाची शब्द के साथ होता है, जैसे, भोजपुरी में-एक ठो लइका, चार ठे आलू, तीन ते बटुली।
• ऐसे शब्दों का प्रयोग भारत की कई अन्य भाषाओं/ बोलियों में भी होता है। कक्षा में पता कीजिए कि किस-किस की भाषा-बोली में ऐसा है। इस पर सामूहिक बातचीत कीजिए।

उत्तर-
विद्यार्थी स्वयं करें। झारखंड की हिंदी, बंगला तथा असमी भाषा में भी ठो का प्रयोग होता है।

प्रश्न 3.
"वे भी, जान पड़ता है, पार्क में खेलने निकल गए हैं।"
''क्यों भई, किस तरह देते हो मुरली?"
"दादी, चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है। जरा कमरे में चलकर ठहराओ।"

- भाषा के ये प्रयोग आजकल पढ़ने-सुनने में नहीं आते आप ये बातें कैसे कहेंगे?

उत्तर-
"लगता है वे भी पार्क में खेलने निकल गए हैं?"

"भैया, इस मुरली का मूल्य क्या है?"
"दादी चुन्नू-मुन्नू के लिए मिठाई लेनी है। जरा जाकर उसे कमरे में बुलाओ।"